INDIFFERENCE CURVE
तटस्थता वक्र विश्लेषण

अर्थशास्त्र में तटस्थता की वक्र रेखाओं का प्रयोग 1881 ई. में Edgeworth ने अपनी पुस्तक Mathematical Physics में किया था। लेकिन उन्होंने केवल दो व्यक्तियों के बीच विनिमय की संभावनाओं की व्याख्या करने के लिए किया, उपभोक्ता की माँग की व्याख्या के लिए नहीं।

तटस्थता वक्र विश्लेषण की सफल व्याख्या का श्रेय प्रो० हिक्स एवं एलेन को है। जिन्होंने 1934 में 'Economica' में A Reconsideration of The Theory of Value' नामक लेख में तटस्थता वक्र रेखाओं का प्रयोग किया। बाद में प्रो० हिक्स ने अपनी पुस्तक 'Value & Capital' में इनकी विस्तार पूर्वक व्याख्या की। अपनी अपेक्षाकृत नई पुस्तक 'Revision of Demand Theory' में भी प्रो० हिक्स ने तटस्थता की वक्र रेखाओं का और अधिक विश्लेषण प्रस्तुत किया है।

तटस्थता की वक्र रेखाओं का अर्थ :-

विभिन्न वस्तुओं के उपभोग के लिए प्रत्येक व्यक्ति की अपनी अलग-अलग पसंद होती है। वह विभिन्न वस्तुओं का संयोग बनाता है और अपनी उपलब्ध आय से अधिकतम संतोष प्राप्त करने की चेष्टा करता है। तटस्थता की वक्र रेखा व्यक्ति की पसंद के इन्हीं संयोगों से संबंधित है। तटस्थता वक्र विश्लेषण इस मान्यता पर आधारित है, कि प्रत्येक उपभोक्ता को दो या दो से अधिक वस्तुओं के बीच एक अधिमान क्रम (Scale of Preference) होता है और प्रत्येक अधिमान क्रम दो या दो से अधिक वस्तुओं के Alternative Combinations से बना होता है

तटस्थता की वक्र-रेखा पर बने इन सभी वैकल्पिक संयोगों से उपभोक्ता को एक समान संतोष मिलता है।
चुँकि तटस्थता वक्र पर बने सभी वैकल्पिक संभोगों से उपभोक्ता को एक समान संतोष मिलता है। अतः वह विभिन्न संयोगों के प्रति तटस्थता रहता है यानि यदि वह उनमें से किसी भी एक को चुन ले तो उसे उतना ही संतोष मिलेगा, जितना संतोष उन्हे किसी भी अन्य एक संभोग चुनने से मिलता है। दूसरे शब्दों में यदि उपभोक्ता विभिन्न संयोगों में से किसी एक संभोग को चुनता है तो दूसरे संभोगो के प्रति तटस्थ अथवा उदासीन रहता है। इसलिए इन संयोगों को दिखाने वाली रेखा को उदासीनता अथवा तटस्थता की वक्र (Indiffference Cuwe) कहते हैं

तटस्थता की वक्र-रेखा को समझने के लिए इसकी तालिका को जानना आवश्यक है, क्योंकि इसी तालिका के आधार पर इसकी वक्र रेखा बनाई जाती है। तटस्थता की तालिका भी समान संतोष देने वाली विभिन्न संयोगों को दिखलाती है। प्रो० मेयर्स के अनुसार "तटस्थता-तालिका वह तालिका है जो वस्तुओं के ऐसे विभिन्न संयोगों को दिखलाती है जिनसे किसी व्यक्ति को समान संतोष मिलता है। यदि इस तालिका को हम वक्र रेखा के रूप में प्रदर्शित करें तो हमें तटस्थता की वक्र-रेखा प्राप्त होती है।

हम तटस्थता की वक्र रेखा को एक तालिका तथा उसके द्वारा दिखलाएंगे कि x और y दो वस्तुओं के संयोगों से समान संतोष प्राप्त होता है।